UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता
The Dialogue

NOVEMBER, 2025 Monthly Newsletter of UPSMA VOL: IV, ISSUE: 314

NEWSMAKERS

उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों को दिया बड़ा तोहफा; गन्ना मूल्य में की वृद्धि

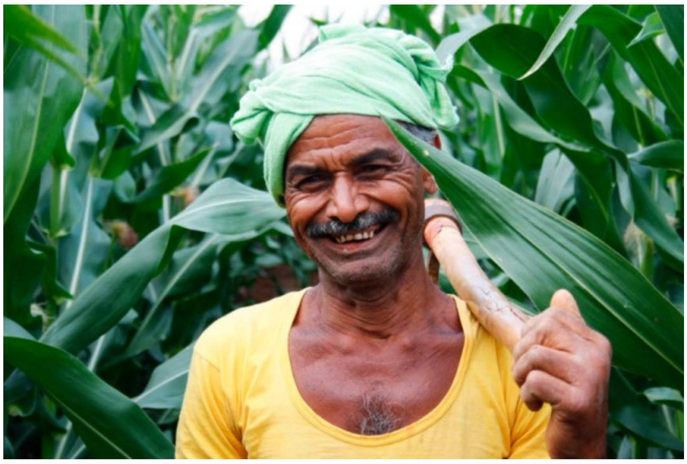

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गन्ने के दाम में ऐतिहासिक वृद्धि की घोषणा करके राज्य के गन्ना किसानों को एक बड़ा तोहफा दिया है। चीनी सीजन 2025-26 के लिए गन्ने की अगेती किस्म का दाम 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य किस्म का दाम 390 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।राज्य सरकार ने गन्ने के दाम 30 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ा दिए हैं। इस फैसले से राज्य भर के किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलने की उम्मीद है। इस कदम को उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों की आय में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "योगी सरकार ने 2025-26 पेराई सीजन के लिए गन्ने के दामों में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की घोषणा की है। नई दरें अगेती किस्म के लिए 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य किस्म के लिए 390 रुपये प्रति क्विंटल हैं।"पिछले कई महीनों से गन्ना किसान कीमतों में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। यह फैसला हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में गन्ने के दाम बढ़ाए जाने के बाद आया है, जिससे उत्तर प्रदेश के किसानों में भी इसी तरह के कदम की उम्मीद जगी है।

Source: Chinimandi, 29th October 2025

शुगर मिल्स एसोसिएशन ने किया गन्ना मूल्यवृद्धि का स्वागत

राज्य ब्यूरो, जागरण लखनऊः यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन (यूपीएसएमए) ने गन्ना मूल्य वृद्धि के निर्णय को सार्थक कदम बताया है। वहीं उत्तर प्रदेश सहकारी गन्ना समिति अध्यक्ष संघ ने भी फैसले का स्वागत किया है।

शुगर मिल्स एसोसिएशन के महासचिव दीपक गुप्तारा ने निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। चीनी उद्योग गन्ना किसानों का समर्थन करने के लिए कटिबद्ध है और यह मुख्यमंत्री की किसानों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से 3100 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य में संशोधन न होने, लेवी की अधिक मात्रा, लेवी शीरे से कम प्राप्ति तथा पिछले तीन वर्षों से एथेनाल की कीमतों में कोई वृद्धि न होने आदि के कारण उद्योग राजस्व संकट का सामना कर रहा है।

- एथेनाल की कीमतें न बढ़ने से उद्योग के संकट का किया उल्लेख
- उत्तर प्रदेश सहकारी गन्ना समिति अध्यक्ष संघ ने भी किया स्वागत

एसोसिएशन किसानों की समृद्धि, सतत उद्योग संचालन और भारतः के चीनी क्षेत्र में प्रदेश के अग्रणी स्थान को बनाए रखने व राज्य की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता को पुनः दोहराता है।

वहीं गन्ना समिति अध्यक्ष संघ के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांत कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के 46 लाख गन्ना किसानों को महाछठ पर्व पर शानदार सौगात दी गई है। इस दूरदर्शी निर्णय से लाखों गन्ना किसानों व उनके करोड़ों परिवारों को राहत और आर्थिक बल मिला है। यह गन्ना उद्योग को भी नई ऊर्जा और स्थिरता प्रदान करेगा।

Source: Dainik Jagran, 30th October, 2025

गन्ना मूल्य भुगतान का आधार 'वर्तमान' सीजन के रिकवरी को बनाया जाए: केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग की बैठक में चीनी उद्योग की मांग

नई दिल्ली: चीनी उद्योग ने मांग की है कि एफआरपी राशि के भुगतान के लिए वर्तमान सीजन के रिकवरी के आधार पर मूल्य तय किया जाए, और पिछले वर्ष के रिकवरी के आधार पर भुगतान की प्रथा बंद की जाए। यह माँग नई दिल्ली में आयोजित केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग (CACP) की बैठक में चीनी उद्योग द्वारा की गई। CACP ने स्वयं यह सिफारिश की थी कि, चालू वर्ष के रिकवरी को एफआरपी राशि के भुगतान का आधार बनाया जाए।

चीनी सत्र 2026-27 के लिए गन्ना मूल्य पर चर्चा हेतु CACP अध्यक्ष डॉ. विजय पॉल शर्मा की अध्यक्षता में देश के चीनी उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ गुरुवार (30 अक्टूबर) को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सीएसीपी सदस्यों के साथ-साथ 'विस्मा' के प्रबंध निदेशक अजीत चौगुले, महाराष्ट्र राज्य सहकारी चीनी कारखाना संघ के वरिष्ठ

Continued on the next page ...

Office: 403 - Chintels House, 16-Station Road, Lucknow-226001 | Phone: +91-522-2635127, 2636482 | E-mail: upsma@upsma.org | Visit us at: www.upsma.org

निदेशक जयप्रकाश दांडेगावकर, प्रबंध निदेशक संजय खताल और भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के निदेशक दीप मलिक, महानिदेशक दीपक बलानी आदि उपस्थित थे।

केंद्र सरकार हर महीने चीनी बिक्री कोटा खोलती है और उसी के अनुसार मिलें अपने स्टॉक में बची हुई चीनी बेच सकती हैं। इसके कारण, एफआरपी राशि का भुगतान करने में कठिनाइयां आ रही हैं। सरकार को इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए और ठोस कदम उठाने चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा छह वर्षों से अधिक समय से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य (MSP) 3,100 रुपये निर्धारित किया गया है। यह मांग की गई कि बढ़ती एफआरपी के अनुरूप MSP बढाकर 4100 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए और एथेनॉल की कीमत को गन्ने की एफआरपी दर से जोड़ा जाए।

गुड़ पाउडर और खांडसारी परियोजनाओं को कानून के दायरे में लाया जाए...

गुड़ पाउडर और खांडसारी परियोजनाएँ अब प्रतिदिन तीन हज़ार मीट्रिक टन की विशाल क्षमता के साथ गन्ने की पेराई कर रही हैं। महाराष्ट्र में गुड़ पाउडर और खांडसारी परियोजनाओं द्वारा प्रतिदिन 65 हज़ार मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की जाती है। जो औसतन 13 चीनी मिलों की गन्ना पेराई क्षमता के बराबर है। गुड़ पाउडर निर्माता और खांडसारी उद्योग भी हैं जो 10 करोड़ टन गन्ने की पेराई करते हैं। इन्हें छोड़कर, केंद्र सरकार को 100 टन से अधिक गन्ना पेराई क्षमता वाली परियोजनाओं को एफआरपी अधिनियम के दायरे में लाना चाहिए और लाइसेंसिंग प्रणाली लागू करनी चाहिए। चौगुले ने यह भी कहा कि, सीएसीपी को अपनी रिपोर्ट में इसे शामिल करना चाहिए।

Source: Chinimandi, 3rd November, 2025

SUGAR INDUSTRY PUSHES FOR 27% ETHANOL BLENDING TO UTILIZE SURPLUS PRODUCTION CAPACITY

New Delhi, October 14, 2025 — The Indian sugar industry has urged the government to raise the ethanol blending target with petrol from the current 20% (E20) to 27% (E27). The move aims to make better use of the country's growing ethanol production capacity and support millions of sugarcane farmers.

According to Deepak Ballani, Director General of the Indian Sugar and Bioenergy Manufacturers Association (ISMA), the sector has invested over Rs. 40,000 crore and built a capacity of more than 9,000 million litres of ethanol annually from sugarcane alone. "We are ready to support blending beyond E20 — up to E27 and even higher," Ballani said, adding that a clear and time-bound national roadmap for ethanol mobility is essential for long-term growth and stability in the sector.

The push toward E27 blending, industry experts say, could mark the next big step in India's journey toward energy independence and sustainable biofuel production.

For the ethanol supply year 2025-26, the industry has collectively offered 17,760 million litres of ethanol to oil marketing companies (OMCs) — significantly higher than their annual requirement of 10,500 million litres. Of this, about 4,710 million litres are from sugarcane-based units, while 13,040 million litres are from grain-based producers using rice and maize.

Industry associations like ISMA and the Indian Federation of Green Energy (IFGE) have also appealed for GST rationalization on flex-fuel and hybrid vehicles, suggesting that consumer incentives similar to the FAME scheme for electric vehicles could accelerate India's ethanol transition.

Source: Sugar Times, 15th October, 2025

ICAR HAS DEVELOPED A MINI-TRACTOR-POWERED SUGARCANE PLANTING MACHINE, REDUCING FARM LABOR COSTS BY 73%

A new discovery by ICAR scientists in Coimbatore—a mini-tractor-operated "Sugarcane Settling Transplanter"—has significantly improved sugarcane planting yields, saving time, seeds, and water. This machine could prove to be a miracle for farmers.

This machine is designed for small and medium-sized farms and aims to automate and make the planting process efficient. This machine has several features that will make farming easier and less expensive.

Experts say this technology will improve both sugarcane yield and quality. While planting sugarcane previously required many laborers and a long time, farmers will now be able to

Continued on the next page ...

Office: 403 - Chintels House, 16-Station Road, Lucknow-226001 | Phone: +91-522-2635127, 2636482 | E-mail: upsma@upsma.org | Visit us at: www.upsma.org

plant a larger area with less cost and time. This machine could prove especially useful in states where sugarcane is a major cash crop—such as Uttar Pradesh, Maharashtra, Tamil Nadu, and Karnataka.

This new technology from ICAR could transform farming for Indian sugarcane farmers. Less labor, less water, lower costs, and higher yields—these are the defining characteristics of this mini-tractor-based sugarcane transplanter. This machine sows sugarcane seeds prepared from sugarcane bud chips and single bud sets. This is a new approach to sugarcane cultivation.

Source: KisanTak, 31st October, 2025

1ST ADVANCE ESTIMATES OF SUGAR PRODUCTION IN 2025-26 SS BY ISMA

- As per standard practice, post-monsoon pan-India satellite imagery was captured in the third week of October 2025. Based on this assessment, the total sugarcane acreage in the country for the 2025–26 sugar season is estimated at around 57.35 lakh hectares, compared to 57.11 lakh hectares in 2024–25 — indicating a marginal increase over last year.
- In Uttar Pradesh, the cane area has declined by approximately 3% to 22.57 lakh hectares from 23.30 lakh hectares last season. However, the overall condition of the standing crop is significantly better than last year. Ongoing cane development initiatives at the mill level — including timely interventions and varietal replacement — are expected to minimize red rot and other disease incidences in the 2025–26 sugar season. As a result, both yield and recovery are likely to improve, with gross sugar production (before diversion) estimated at 103.2 lakh tons, compared to 101.01 lakh tons last year.
- Only minor variations in cane area and production are anticipated in the remaining states. Accordingly, ISMA is releasing its 1st advance estimates as gross production of 343.5 lac tons (before diversion), as per the following table:

S. No.	State	2024–25 SS (P)	2025–26 SS – 1st Advance Estimates (Nov'25)
1	Maharashtra	93.51	130.00
2	Karnataka	54.89	63.50
3	Uttar Pradesh	101.01	103.20
4	Others	46.69	46.80
5	**Gross Total (Estimated)**	**296.10**	**343.50**
6	Estimated Diversion Towards Ethanol	35.01	34.00
7	**Net Sugar Production**	**261.08**	**309.50**

Source: ISMA (Figures in Lakh Tons)

Table 2: Estimated Sugar Balance Sheet : 2025–26 Sugar Season

S. No.	Particulars	2025 –26 SS (E)
a	Opening Stock as on 1st Oct 2025	50.00
b	Gross Sugar Production (without diversion for ethanol)	343.50
c	Diversion for Ethanol	34.00
d	Net Sugar Production (b – c)	309.50
e	Total Availability (a + d)	359.50
f	Internal Consumption	285.00
g	**Closing Stock as on 30th Sept 2026 (e – f)**	**74.50**

Source: ISMA (Figures in Lakh Tons)

With a comfortable sugar balance, India is well-positioned to export nearly 20 lakh tons this season. We have strongly urged the government to announce the export policy at the earliest, so mills can proactively plan their raw and white sugar production strategies in advance.

Source: SugarTimes, 4th November, 2025

UP SUGAR PRODUCTION RISE TO 2% DESPITE DROP IN ACREAGE

Lucknow: Despite a drop in sugarcane acreage, Uttar Pradesh is likely to maintain a steady production of sugar, according to an early estimate of India Sugar Mills Association (ISMA). The association has projected an 18.5% rise in sugar production nationally while Maharashtra is likely to register awhopping 39% jump.

Uttar Pradesh, which was the on the top in 2024-25, is likely to register an increase of 2% in sugar production in 2025-26. However, this won't be enough for it to maintain its top position.

The development is significant since UP govt has planned aggressive steps to bolster the sugar industry besides raising the income levels of the cane growers. The govt had recently raised the State Advisory Price of cane by Rs 30 per quintal.

UP produced nearly 101 lakh metric tonnes of sugar (pre-ethanol) in 2024-25, overtaking Maharashtra, where sugar production plunged to 93.51 lakh metric tonnes, mainly due to inclement weather conditions.

ISMA estimates that Maharashtra's sugar production will jump from 93.51 LMT to 130 LMT in the ongoing cane-crushing season, indicating a major surge in sugar recovery.

The state's cane area has already grown to 14.71 lakh hectares from 13.82 lakh hectares, aided by strong monsoon performance and full reservoirs.

UP's sugar production, on the other hand, is estimated to go up from 101 LMT to 103 LMT. Although the cane area in the state has declined from 23.3 lakh hectares to 22.57 lakh hectares, the

Continued on the next page ...

UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता The Dialogue

NOVEMBER, 2025 Monthly Newsletter of UPSMA VOL: IV, ISSUE: 314

overall crop health has improved due to better disease management and the introduction of high-yielding varieties. ISMA has said that timely field interventions and varietal replacement programmes have helped control red rot and other diseases, ensuring a healthy standing crop this season.

Cane industry sources said that the sugar recovery in UP has already shown marginal improvement from 9% to over 9.3% at the start of the 2025-26 crushing season. Over two dozen mills, mainly in west UP, have started operations. This is expected to go up even higher as the crushing progresses. Nevertheless, experts said, UP's sugar sector may well be entering a plateau phase maintaining high efficiency but with limited room for further expansion.

The diversion of sugar towards ethanol production in 2025-26 is expected to be around 34 lakh tonnes, slightly lower than 35.01 lakh tonnes in the 2024-25 season. The net national sugar production is estimated at 309.5 lakh tonnes, compared with 261.08 lakh tonnes last year. With higher national output and sufficient stock, domestic sugar prices are expected to remain stable or slightly soft, benefiting consumers but limiting mills' profit margins.

Industry sources said the country's sugar stock remains comfortably placed, ensuring ample supply for domestic needs as well as to meet export commitments. India's ethanol programme, too, continues to support the govt's energy diversification goals, even as the sugar industry maintains healthy reserves.

Source: Times of India, 11th November, 2025

Do You Know

TEAMS WITH MOST ICC TITLES

	TOTAL	MEN	WOMEN	U19 MEN	U19 WOMEN
AUSTRALIA	27	10	13	4	0
INDIA	15	7	1	5	2
ENGLAND	9	3	5	1	0
WEST INDIES	7	5	1	1	0
PAKISTAN	5	3	0	2	0
NEW ZEALAND	4	2	2	0	0
SRI LANKA	3	3	0	0	0
SOUTH AFRICA	3	2	0	1	0
BANGLADESH	1	0	0	1	0

STATE-WISE SUGAR EXPORT ALLOCATION FOR 2025-26 SEASON

State	Metric Tons
Andhra Pradesh	7685
Bihar	33744
Chhattishgarh	4941
Gujrat	48767
Haryana	31103
Karnataka	247831
Madhya Pradesh	27918
Maharashtra	488467
Odisha	1412
Panjab	27819
Rajasthan	591
Tamil Nadu	41032
Telangana	11134
Uttar Pradesh	507090
Uttarakhand	20467

Source: Chinimandi, 15th November, 2025

UPSMA Newsletter titled 'Varta' the Dialogue is providing information on sugar, sugar industry and sugar byproducts. We request you to share your thoughts and experience with us through write-ups, success stories, updates, photographs etc. We publish your creative in the next edition of this newsletter. You are requested to send your entries to be published in UPSMA newsletter through mail at upsma@upsma.org. The newsletter will be uploaded on UPSMA website.

अस्वीकरण: यहाँ दी गई जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटा या अन्य स्रोतों से ली गई है, जिन्हें विश्वसनीय माना जाता है और इस पर इस तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। इस समाचार में दी गई जानकारी में किसी भी अनजाने त्रुटि से किसी भी व्यक्ति को होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए 'वार्ता टीम' किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगी। इस दस्तावेज़ में दी गई जानकारी इस समाचार की तारीख तक है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य के परिणाम या घटनाएँ इस जानकारी के अनुरूप होंगी।